

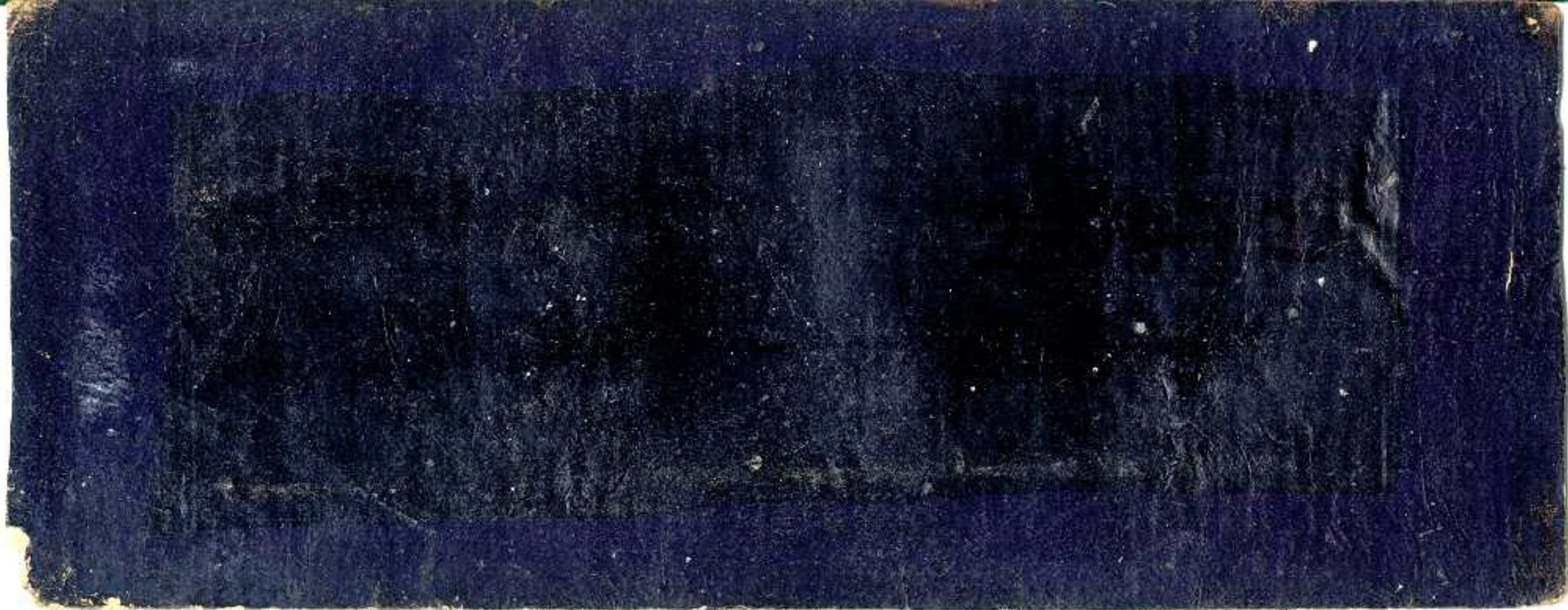


आर्योत्तु

आर्यो मृदुचरि प्रणिधान समानाभद पुत्रे
आर्यो तारा मृदुचरिकाया मामाष्टावरशतव
बुद्ध माषितः

ASHA ARCH

2.678 I



श्रीतमानवप्रणयः॥स्वदि
हावर्जहं॥श्रीरुद्रविमल
धमकुचीनसा॥कृष्णगु॥
नर्थीपूरुष॥ १ ॥ श्रीरु
द्रवाय॥स्वदि॥धामः

श्रीरुद्रविमलप्रणयः
स्वदिमहावर्जहं॥धाम॥ १ ॥
मकुचीनसा॥कृष्णगु॥
श्रीरुद्रविमलप्रणयः
धमकुचीनसा॥कृष्णगु॥

मयादानयानसा॥कृष्णगु॥ २ ॥ श्रीरुद्रविमलप्रणयः
मकुचीनसा॥कृष्णगु॥ १ ॥ श्रीरुद्रविमलप्रणयः
दानयानसा॥कृष्णगु॥ ३ ॥ श्रीरुद्रविमलप्रणयः
महावर्जहं॥धाम॥ १ ॥ श्रीरुद्रविमलप्रणयः
दानयानसा॥कृष्णगु॥ ४ ॥ श्रीरुद्रविमलप्रणयः

मिचिस्वारा॥ ध्या॥ १॥ वाक्वाणपक्षनंकाटिकुज्जन्मसयानायायमा
चनम्भ्य॥ २॥ ओं नमो भगवते चन्द्रशेखरानन्दाय सत्यार्थहर्षामिय
नकुयल्लकडवाजाय नथागनाया॥ धक्वानाया पक्षदालकिज्जन्मच
द्रवर्हिनाजाइय दयिआ॥ ३॥ ओं नमो भगवते चन्द्रशेखरविस्वधयमाठ
नथागनाय॥ धक्वानमाननानंनिर्वीतपदलायिआ॥ ४॥ ओं नमो

[illegible]

॥१॥



धाराकाया॥धकवानायायु॥नगुलिकवदुलानिददवधानासायु॥

[illegible]

॥ ६ ॥ धकवा नायापूषनः अचनययवतससून्यनानयाचगनस्याउ-अ-व
यि ॥ १६ ॥ ॐ नमो एगवतः एव सर्वे नथानेगे विहयनिस्मः ॐ दुक उधज
शायनथागनायाइहंनसम्यकैवदाय ॥ धकवा नायापूषनः नथाग न
यागनमस्काचयायगु ॥ २० ॥ ॐ आशिसनतायऊस्यासुकविपसाय
नमवर्जधाचसुधिकल्पएइसमृद्धनमचानवलसर्वसिद्धिपयऊहं ॥

धकवा नायापूषनः गुचयागधाचनिवातातस्तानवलदयि ॥ २१ ॥ ॐ
वर्जकोटायमहाश्रीहृकहंरुद ॥ ॐ रलुहंरुद ॥ ॐ अकीककय
मागकहनमथरुवऊहंरुद ॥ ॐ यममाकककनमहाकाईहृयवह
रुहंरुद ॥ धकवा नायापूषनः दकहृयमाचनरय ॥ गषअतसीपचय
किचयइयि ॥ १२ ॥ ॐ वऊकिलिकिलायसर्वविपलहंरुद ॥ ॐ गुधहान

हृत्कपुहः सानकमिस्वचिस्वममयागि नचत्त२हृथाकद॥ धकवा नायापू॥
नमस्वावमिपायकृपि॥ २२॥ अं वज्रवध सर्वउद्धानहंरुद॥ अं वज्रमहा
गुत्तसर्वमिदिहंरुद॥ अं श्रीमानकवर्जकोट्टहयगिररुत्त२हृरुद॥ काम
दवयामकुमकु॥ २४॥ अं सर्वतथागतउद्दियधातुमितिस्वाहा॥ अं स
र्वतथागतधातुवित्स्वित्त्रिस्वाहा॥ धकवा नायापू॥ अं नमः कंदयि॥

॥ २३ ॥ श्री नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कविचरित्रम् ॥ एकद्विजतीयतथा
गणेशाय नमः ॥ इति सप्तमं स्कन्धम् ॥ धर्मकवीनामाचार्य ॥ अथ श्रीमानया कामनापूज
यस्मै ॥ २३ ॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कविचरित्रम् ॥ एकद्विजतीयतथा
गणेशाय नमः ॥ इति सप्तमं स्कन्धम् ॥ धर्मकवीनामाचार्य ॥ अथ श्रीमानया कामनापूज

नमो वैकुण्ठाय ॥ २३ ॥ ओं नमो गवयवर्जकिलिकिलाय सर्वविघ्नह
 रं कृदः ॐ गुह्यस्थान श्रीहनुक गुह्यस्थान श्रीहनुक गुह्यस्थान कार्त्तिकवित्तम
 मया गितिवत्त ॥ कृदः ॐ वरुणवत्त ॥ सर्वेश्वर हं कृदः ॐ वरुणवत्त ॥
 कार्त्तिकवित्तम कार्त्तिकवित्तम कार्त्तिकवित्तम कार्त्तिकवित्तम ॥ २४ ॥
 ॐ वरुणवत्त ॥ सर्वेश्वर हं कृदः ॐ वरुणवत्त ॥ २५ ॥ अथमा

ककवर्जकोइहयग्यवह्वरहं॥ ३० ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय
 मिनिस्वाहाः अकथागनधाकुविउयिनअविहितहं॥ ३१ ॥ वा नायापरा
 वशाचालिगयमर॥ ३२ ॥ ओं आरुगनवेलाचनहं॥ ओं आः अजीयहं॥
 ओं आः चतस्रवहं॥ ओं आः अमगमवहं॥ ओं अत्रामाघसिद्धिहं॥ थटि
 यरुवधयामरु॥ ३३ ॥ ओं आः वधः विषसिद्धिहं॥ ओं आः अमाघसिद्धिहं

[illegible]

निःसृतमृनिष्कयुनिस्त्वाहा॥ धक्वानानेन उद्गमधावकणाकमृनिद्वयश्ल
॥ ३१ ॥ ओं नमाः र्गवतश्चक्रात्यगथागताया र्हंक सम्यक्तं वदाय गयथाः
पके निरलाच निरअच निरस्तु अस निरप्रति हन हन सर्व कम्मान पचप
नायनिः सर्व सत्वाना चरस्था हाः धक्वानानेन धर्मने श्वश्चात्ययाधानि
हल ॥ ३२ ॥ ओं नमा र्गवतश्चक्रार्थ हर्षार्थ पुत्रवेद्यै उहंक उभाजाय

90

[illegible]

तमस्य स्वाहा ॥ धर्ममधिकं नानादिनाप्यजा ॥ धर्मरुवागानं ॥ ओं हस्तमार्धमप
नगाजपानिमखावगिअन्यस्वातकंमाऊयदत्तलायिअ ॥ ४२ ॥ ओं नमो मर
धायनम ॥ सुधीयनम ॥ उत्तुधीयनम ॥ स्वाहा ॥ ओं आहु ॥ धक धाटवाताअद
रंयंनयागसाकुलयातककयागसातककिआनायाप्रमानपूरुषययि ॥
॥ ४३ ॥ ओं नमो नरगावगं च न केडवाजायकथागगायाइकसम्यसंख्वाया

कयथा ॥ ओं च नरमहा न न न न विरुय स्वाहा ॥ ओं नमदत्तादिकिकालमर्धव न
कयाय ॥ ओं हस्तमर्धमसर्वयापविखधनस्वाहा ॥ धकवातायापूरुषयअकुवाउलान
लेककिप्रमानपूरुषय ॥ ४४ ॥ ओं विरुतगं रं मन्निपरकडुनथागगायानिद
ममनिपुर्नविमलमार्गां लि नहः वृद्धविलाकिनगसुधिदिनमर्धस्वाहा ॥ धक
वानसा ॥ अर्थलारुमयनयलारुहयि ॥ ४५ ॥ ओं मनिवजह ॥ धकवाताना

ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 दत्तसंस्थाने ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 लया ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 दत्तसंस्थाने ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 लया ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

कचवाचशवानां अङ्गलताः सर्वपापशुद्धिकर्मनामङ्गलियाः अङ्गलताः अङ्गलताः
सर्वविश्वसद्भर अङ्गिचगविनवसुखनश्रुतश्रुतः अङ्गिचगविनवसुखनश्रुतश्रुतः
युखनमनखयागसाः लगयङ्गियमखुः सव्व्याविष्टयुष्टकनाचनङ्गियः
॥ गङ्गायधर्माङ्गुयुष्टवाहङ्गुगखाङ्गुगथागतङ्गात्रिचाङ्गुयववाचिमहा
सर्वनां अङ्गवानायायुखननलाकेयाङ्गनायासकन्यानसव्वलकङ्गनमङ्गु

अङ्गुगङ्गा ॥ गङ्गा ॥ अङ्गुगङ्गायधर्माङ्गुयुष्टवाहङ्गुगखाङ्गुगथागतङ्गात्रिचाङ्गुयववाचिमहा
सर्वनां अङ्गवानायायुखननलाकेयाङ्गनायासकन्यानसव्वलकङ्गनमङ्गु
अङ्गुगङ्गा ॥ गङ्गा ॥ अङ्गुगङ्गायधर्माङ्गुयुष्टवाहङ्गुगखाङ्गुगथागतङ्गात्रिचाङ्गुयववाचिमहा
सर्वनां अङ्गवानायायुखननलाकेयाङ्गनायासकन्यानसव्वलकङ्गनमङ्गु

1194

[illegible]

934

[illegible]

स्वचक्षावनि॥३॥॥ॐ॥आहं॥वर्जदकहं॥वर्जशर्यमकु॥३॥॥ॐ॥आहं॥मं
वीवर्जदय॥३॥॥ॐ॥आः॥मनियमहं॥ॐ॥हं॥विष्कानहं॥ॐ॥माककहं
हं॥ॐ॥मनाकयसर्वसयमयमदाननथायदानिचकयमनियमहं॥
हाधकवानानयश्चविसक्तिकावर्जलेनवहियदय॥१०॥॥ॐ॥वीह्वर्जहन्कहं
हं॥ॐ॥किनिजालसम्वलेखाहं॥ॐ॥हं॥हं॥हं॥ॐ॥वर्जवेलाचनियहं

1971

[illegible]

खाहा॥ अं वं कं सूर्य कमा विस्व मनस्म कयस्तुं हं अं आ ना कं ग क हं हं दूखा हा॥
अं हं हं निदिदिपहा ध क हं हं दू॥ अं हं खा हा अं आ को खा हा अं वं दे अ कि नि य खा हा
ध क वा ना न र ग वा न या मा हा मा या धा न नि रु ल ॥ ११॥ अं हं दी वि कृ गा न ना य हं हं
दूखा हा ध क वा ना नं रु न ना जा या द द य अ हं हं ॥ १२॥ अं प स्व रं रु मा म द र मि मा द नि
रु ल का द य रु क स र व द हं हं दूखा हा॥ अ म रु म रु जी या वि न हा व ना म रु ॥ १३॥

अं ग न कि न वि म ना स मू द न रु का र्ठ हं हं दू॥ ध क वा ना नं स र गि या स रु रु ल
॥ १४॥ अं अ क स म न स द व स म न य हं हं दू॥ ध क वा ना नं सिं दू म वि मि ना म हं हं न॥
दा कि नि या म रु रु ल ॥ १५॥ अं आ हं हं किं रु न र मि सि द कं च अ म र व द हं हं रु य
न द न स र्व मा ल य व हं हं हं दू॥ ध क वा ना नं मा हा न क र व म रु रु ल ॥ १६॥ अं उं
हं हं ॥ अं वं रु या नि ह य ग व क नू न हं हं दू॥ ध क वा न सा ना न दि ग स रु ल अं रु या

८३

कयमइहल॥ ८३॥ ॐ ह्यन ग कि नि श्र म प्रा नि भि व कि य स्वा हा ॥ ॐ ह्य न आ र्थ
न म ॥ ॐ ह्य न क ना य कं थ र्था न न २ हं ॥ ॐ महा ऊ ऊ न हं हं ॥ ॐ व ऊ म हा का ल
ऊ ऊ वि द्या न वि ना य का ना हं हं स्वा हा ॥ ॐ का ल नू पा य हं हं ॥ ॐ वा म दाय हं
हं ॥ ॐ म द का ला य हं हं ॥ ॐ का ल ना गि य हं हं ॥ ॐ वि नि य च द्रो नि ना ऊ मि ग नि
द वो हं हं ॥ ॐ य व श्र हं नि च प नू ख ना हि त स व स ऊ मा न य हं हं ॥ ॐ न य व म

वि चि ह ऊ ल य नि द वी हं ॥ ॐ न म र्ग व न ग न म ऊ य स व स ऊ मा ल य व द हं हं
ॐ महा ऊ णि श्र म व न हं ॥ ॐ वि नि मि नि मि नि हं ॥ ॐ व न द हं ॥ ॐ व स्वा हा ॥ ॐ व श्र व
न य स्वा हा ॥ ॐ ऊ नू ल ऊ त्र दाय स्वा हा ॥ ॐ पू रू रू दाय स्वा हा ॥ ॐ मा नि रू दाय स्वा
हा ॥ ॐ व लाय स्वा हा ॥ ॐ व क वा न सा भु स य टि म हा ल क्रि य नि पू रू हं ॥ ८४ ॥ ॐ
सं य का ना य स्वा हा ॥ ॐ गु ष्ठा ना य स्वा हा ॥ ॐ य कि ऊ य स्वा हा ॥ ॐ वि वि वं ह्य लि

[illegible]

नानदयः॥८८॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
खाहाःधकवानानदयः॥८९॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
पुष्पायानमिका॥धकवानानतापुष्पायः॥९०॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
रुद्रायवाधिसत्तायः॥९१॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
वक्रगानताथमः॥९२॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय

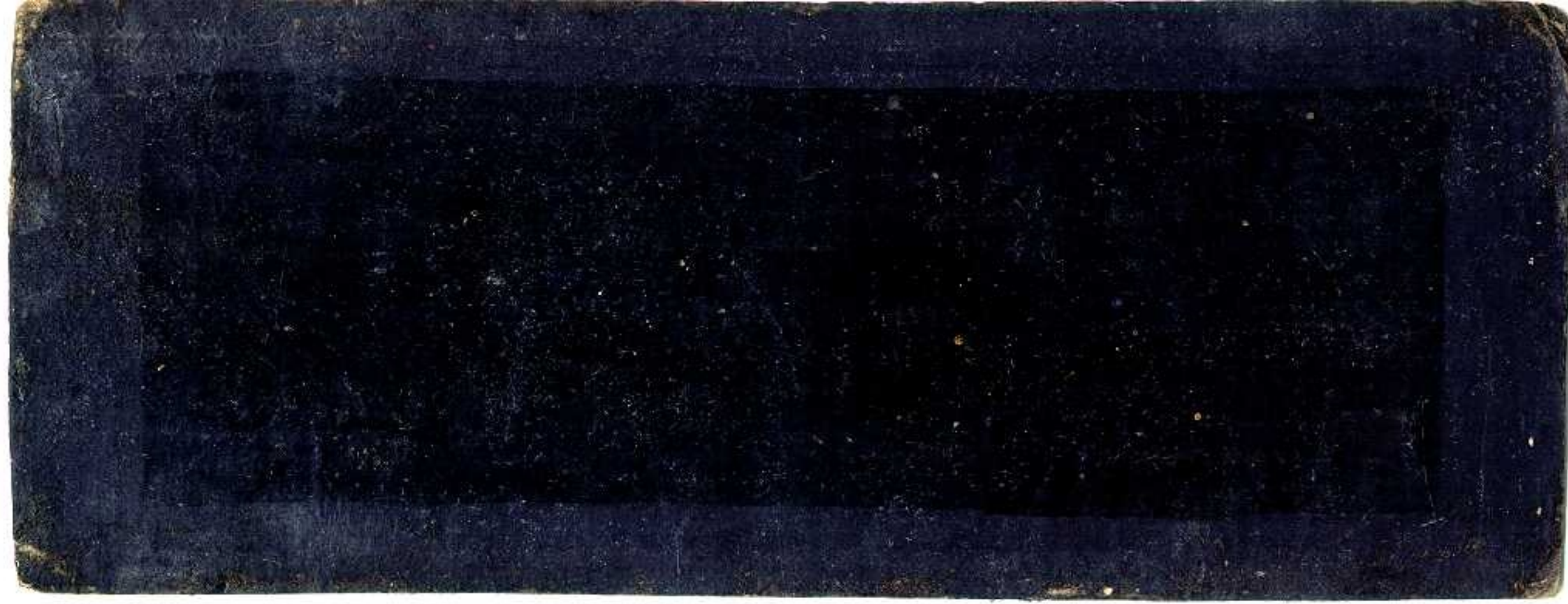
ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
सर्वदायः॥धकवानानतापुष्पायः॥९३॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
तापुष्पायः॥धकवानानतापुष्पायः॥९४॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
तापुष्पायः॥धकवानानतापुष्पायः॥९५॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय
पुष्पायः॥धकवानानतापुष्पायः॥९६॥ॐ नमः॥शार्थमः॥श्रीयः॥गयथा॥गक२याचगकवाधिय

सकाठमा इमाया दयकायायनाचनरुयि॥५३॥ अंनमारुगवकनवनवकि
नोवधकाठिनोदसगंभनदिवालेकायमानाकथागतकाठिनोधकवानोनव
वहाखिकगुलिगदयाअचानउलिगवानायायंन्या॥५३॥ अंनमारुगवक॥ पु
हसिकवर्कसमकथागकायाइहकसम्यकंवधायधकवानोनवनरुसश्रमानरु
यकलवकयासधम्मनालनायाकथागतसिस्यहिस्वकागुमासवव्याग

पिजाचयागुवास्वानयनिरुवासंथनागुआखलभूयागुधुगुवावयानागुऊर्क
मयानागुअखरुदनथागतनसदिस्वस्वविद्यागेतालिथयापायकुकमजि
अधके॥ हनेथगुकदृयापव्यथातेसनकोअ॥ धवाचनिदृदययकचिद्रयाना
आगनद्याचलमिद्रुगुव्यलसवायव्यदसअव्यलतरुम्मउलनथदसावूसनयाय
हनेकायवागचिद्रयानागुचिद्रसंपर्कमाचनवायधकउपलाचनतदिआ

234

481



ASHA ARCHIVES

2678 I

